Publication	Veer Arjun
Date	23rd September, 2015
Page No.	11
Edition	New Delhi

जेएसपीएल फाउंडेशन ने लांच किया राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

नई दिल्ली, (वासं)। 'माउंटेन मैन' के नाम से मशहूर दशरथ मांझी बिहार के गया जिले के गांव में रहने वाले मजदूर थे जिन्होंने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी कोशिशों के बाद एक पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया। आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी कहानी जिंदा है। दु:साहस और दृढ़ संकल्प का यह एक मशहूर उदाहरण है। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी है जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों को निभाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाली जेएसपीएल फाउंडेशन ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है। ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना की है। जेएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती शालू जिंदल कहती है, ''राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान के आयोजन का उद्देश्य है जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना व उन्हें बढ़ावा देना। हमारा प्रयास है उन कहानियों को सामने लेकर आना जो अभी तक अनसुनी रही है। साहस और संकल्प की ये कहानियां समाज में परिवर्तन ले कर आएंगी। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान ऐसे ही लोगों को सलाम करने और उन्हें एक राष्ट्रीय मंच मुहैया कराने की कोशिश है ताकि बाकी लोग भी उनसे प्रेरणा ले सकें। स्वयंसिद्ध सम्मान को राष्ट्रीय स्तर पर ले जा कर जेएसपीएल फाउंडेशन की कोशिश है एक देशव्यापी प्रेरित मानव श्रृंखला बनाना।''ये पुरस्कार 10 श्रेणियों में दिए जाएंगे: महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता (स्टार्ट-अप), शिक्षा, कृषि/ग्रामीण विकास, जन सेवा/समाज सेवा, कला व शिल्प (प्राचीन विरासत/ग्रामीण शिल्प), आजीविका/व्यावसायिक कौशल, स्वास्थ्य, आविश्कार/तकनॉलॉजी (विज्ञान से संबंधित) तथा पर्यावरण। 10 पुरस्कार व्यक्तियों को दिए जाएंगे तथा 10 पुरस्कार संगठनों को दिए जाएंगे। प्रत्येक विजेता को एक प्रमाणपत्र तथा 1 लाख रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। युनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट की भारतीय शाखा युनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट नैटवर्क इंडिया पुरस्कारों के लिए बतौर नॉलिज पार्टनर सहायक होगी। यह पैरामीटर तय करने की जिम्मेदारी लेगी तथा 4 क्षेत्रीय निर्णायक मंडलों व एक राष्ट्रीय ज्यूरी की मदद से पुरस्कार विजेताओं का अंतिम चयन करने में मददगार होगी। प्रविश्टियों को आज से स्वीकार किया जा रहा है और अंतिम तारीख 25 अक्टूबर 2015 है। पुरस्कार समारोह 14 जनवरी 2016 को नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में होगा। आवेदन फॉर्म डाउनलोड किया जा सकता है अथवा फॉर्म को ऑनलाइन भरा जा सकता है पुरस्कार प्रक्रिया के बारे में युनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट नैटवर्क इंडिया के कार्यकारी निदेशक श्री पूर्ण चंद पांडे ने कहा, ''चिन्हित क्षेत्रों में जमीनी स्तर के अग्रदूतों को पहचानने और सम्मानित करने की प्रक्रिया 360 डिग्री, मजबूत, बहु-स्तरीय और निष्पक्ष होगी। चार क्षेत्रीय व एक राष्ट्रीय ज्यूरी की सुगठित मूल्यांकन व्यवस्था के द्वारा किसी भी उम्मीदवार के प्रति किसी भी प्रकार के पक्षपात की संभावना को खत्म कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान सौहार्दपूर्ण तरीके से युनाइटेड नेशंस ग्लोबल कॉम्पैक्ट के ध्येय के साथ मिलकर अग्रदूतों और उनके अभिनव विचारों की पहचान करता है जो 10 सार्वभौमिक सिद्धांतों तथा संयुक्त राष्ट्र के व्यापक लक्ष्यों पर आधारित हों (इन लक्ष्यों में सतत् विकास लक्ष्य भी शामिल है जिन्हें इस माह जारी किया जाएगा)।''

जेपीसीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष शारू जिंदल, और यूएनजीसीएन के कार्यकारी निदेशक पूर्ण चंद पांडे कर्नल और प्रकाश तिवारी राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान को लांच करते हुए।